साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 228 | जौनपुर, बुधवार, 15 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के इनकम टैक्स विभाग के आफिस में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इनकम टैक्स विभाग के कार्यालय में बड़ी आग लग गई है। आयकर विभाग का ऑफिस दिल्ली पुलिस मुख्यालय के पीछे बना हुआ है, जहां बड़ी आग लगी है। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की 21 गाड़ियां मौके पर मौजूद है। अबतक ये सामने नहीं आया है कि आग किन कारणों से लगी है। सोशल मीडिया पर इस आग के कई वीडियो शेयर किए जा रहे है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। स्थानीय पुलिस भी घटना स्थल पर मौजूद है। फायर ब्रिगेड की टीम फंसे हुए लोगों को सीढ़ी से बाहर निकालने में जुटी हुई है। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर जल्दी काबू पाने की कोशिश में जुटी हुई है। इस आग लगने की घटना पर फायर सर्विस के अधिकारी ने बताया कि हमें दोपहर में ये आग लगी है। इसके बाद फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने में जुटी। राहत की बात है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने की घटना के बाद व्यवस्था खराब ना हो इसके लिए स्थानीय पुलिस की भी मदद ली गई है।

नक्सलियों को चुकानी होगी मासूमों की मौत की कीमत – विष्णु देव साय

रायपुर, एजेसी। छत्तीस गढ़ के बीजापुर में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए दो बच्चों की आईईडी की चपेट में आने से मौत हो गई। इस हादसे पर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख व्यक्त किया और कहा है कि नक्सलियों को इसकी कीमत चुकानी होगी। राज्य के मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को हुई घटना का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, बीजापुर जिले के बड़े बोड़गा गांव के एक खेत में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से गांव के दो मासूम बच्चों के देहावसान की दुखद सूचना प्राप्त हो रही है। ईश्वर से उन अबोध बच्चों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने आगे लिखा, नक्सलवाद का काला साया हमारे बच्चों को निगल रहा है, जिसे किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। नक्सलियों को मासूमों के करुण मौत की कीमत अवश्य चुकानी होगी। ज्ञात हो कि सोमवार को बीजापुर के भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के तट पर बोड़गा गांव में दो बच्चे अपने पालकों के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। इसी दौरान आईईडी में धमाका हुआ, जिसमें उनकी मौत हो गई। इससे एक दिन पहले भी एक युवती की आईईडी की चपेट में आने पर मौत हुई थी।

केंद्र में बीएसपी की सरकार बनी तो बुंदेलखंड अलग राज्य बनेगा - मायावती

झांसी, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को दावा किया कि अगर वे सत्ता में आईं तो अलग बुंदेलखंड राज्य बनाया जाएगा। हमारी सरकार (केंद्र में) बनी तो हम इस संबंध में सकारात्मक कदम उठाएंगे। बुंदेलखंड जरूर एक अलग राज्य बनाया जाएगा। बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैला एक पहाड़ी क्षेत्र है।

मंगलवार को झांसी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा, अलग बुंदेलखंड राज्य बनाने की मांग हो रही है, अगर उत्तर प्रदेश के सात जिले (बांदा, महोबा, हमीरपुर, ललितपुर, झांसी, जालौन और चित्रकूट) और मध्य प्रदेश के आठ जिले इस क्षेत्र में आते हैं। बसपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री रहते हुए वर्ष 2011 में उप्र को चार भागों में विभक्त करने का एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था और हाल में पश्चिमी उप्र की चुनावी जनसभाओं में उन्होंने सत्ता में आने पर पश्चिमी उप्र को अलग राज्य बनाने का वादा किया। मायावती ने यह भी दावा किया कि वर्तमान भाजपा नीत राजग सरकार के लिए मौजूदा लोकसभा चुनाव में सत्ता में वापसी करना आसान नहीं होगा, बशर्ते यह चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हो और ईवीएम से छेड़छाड़ न की जाए। मायावती ने कहा कि लंबे समय तक केंद्र और देश के अनेक राज्यों में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन उसकी गलत नीतियों के कारण उसे सत्ता से बेदखल होना पड़ा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भाजपा और उसके सहयोगी दल केंद्र और काफी राज्यों में सत्ता पर काबिज हैं लेकिन उनकी भी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, साम्प्रदायिक तथा द्वेषपूर्ण नीतियों और कथनी तथा करनी में अंतर की वजह से अब ऐसा लगता है कि इस बार भाजपा के लिए केंद्र की सत्ता में वापसी आसान नहीं होगी। उन्होंने कहा, इस बार भाजपा की नाटकबाजी और जुमलेबाजी नहीं चलने वाली है क्योंकि अब देश की जनता काफी हद तक इस बात को समझ चुकी है कि भाजपा ने जो वादे किये और हवा–हवाई गारंटी दी थी, उसका एक चौथाई भी काम नहीं किया है। मायावती ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, अब ऐसा लगता है कि कांग्रेस की तरह ही भाजपा ने भी केंद्र की तमाम सरकारी जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। इसके अलावा देश का किसान वर्ग भी वर्तमान भाजपा सरकार के शासन में शुरू से ही अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर काफी दुखी और परेशान रहा है। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां तक टिकट वितरण का सवाल है, उनकी पार्टी ने समाज के सभी वर्गों के लोगों को उचित भागीदारी दी है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भाजपा, कांग्रेस और उनके सहयोगियों को केंद्र में सत्ता में आने से रोकने का आग्रह करते हुए कहा कि 'ओपिनियन पोल' और सर्वेक्षणों से गुमराह न हों। उन्होंने सत्ता हासिल करने के लिए इन पार्टियों द्वारा कथित तौर पर अपनाई जा रही साम, दाम, दंड, भेद की नीतियों के खिलाफ भी चेतावनी दी। झांसी में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा।

परिवारवादियों और भ्रष्टाचारियों का गठजोड़ सत्ता हासिल करने के लिए बेचैन – भाजपा

पटना, एजेंसी। बिहार के डिप्टी सीएम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि बार–बार संविधान से छेड़छाड़ करने वाली कांग्रेस ने ही 1975 में देश के लोकतंत्र को इमरजेंसी लगाकर अपने पैरों तले रौंदा था। रातों–रात चुनी हुई सरकारों को गिराने और तमाम तरह के असंवैधानिक कार्यों को करने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देकर अपने पापों को छिपाना चाहती है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद और भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस आज देश के तमाम परिवारवादियों और भ्रष्टाचारियों का गठजोड़ कर सत्ता हासिल करने के लिए बेचैन है। देश की जनता कांग्रेस के चाल, चरित्र और चेहरा को अच्छी तरह से पहचानती है। सत्ता के स्वार्थ में ही आज गैर–कांग्रेसवाद की कोख से निकले लालू यादव यानी राजद, कांग्रेस की चरण वंदना करने में लगे हैं। कांग्रेस के शहजादा राहुल गांधी ने ऑर्डिनेंस की कॉपी को सार्वजनिक तौर पर फाड़कर अपना तेवर दिखाया था, जिस कारण सजायाफ्ता होकर लालू यादव आज पंचायत का चुनाव तक नहीं लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण देने के दो–तीन बार प्रयास किए किंतु न्यायालय ने इन्हें असंवैधानिक बताकर रद्द कर दिया। अब एक बार फिर मुस्लिम आरक्षण का वादा करके वोटों के ध्रुवीकरण और तुष्टीकरण की कोशिश की जा रही है।

बीजेपी ने मुझे जेल भेजा, क्योंकि वह मुझसे डरती है – केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र के पिहोवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर उन्हें जेल में भेजने के लिये हमला करते हुए दावा किया कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि वह उनसे डरती है।

उन्होंने यह बात पिहोवा में आप प्रत्याशी सुशील गुप्ता के समर्थन में किये गए रोड शो के दौरान कही। रोड में गुप्ता भी मौजूद थे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति में हुए कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय ने एक जून तक अंतरिम जमानत दे दी थी। लोगों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, सोलह मार्च को चुनाव की घोषणा हुई और 21 मार्च को उन्होंने मुझे जेल भेज दिया। इसका मतलब है कि वे चाहते थे कि केजरीवाल प्रचार न करें। वे केजरीवाल से डरे हुए हैं।

लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहती है भाजपा लेकिन हम होने नहीं देंगे - खड़गें

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे चुनाव प्रचार के लिए महराजगंज पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां के ठश्रच प्रत्याशी ने आपके लिए कोई काम नहीं किया है। महराजगंज की सीमा नेपाल से सटी होने के कारण ये क्षेत्र राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, फिर भी जिला मुख्यालय रेल लाइन से नहीं जोड़ा गया। उन्होंने दावा किया कि आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। हमारी विचारधारा गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों के हित में काम करने की है। जबकि बीजेपी–आरएसएस की विचारधारा गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को कुचलने की है। खड़गे ने कहा कि

भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहती है। लेकिन हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि महराजगंज में बहुत सारी शुगर मिलें थीं, लेकिन सब बंद हो गईं। इतना होने पर भी यहां के मुख्यमंत्री, मंत्री सब चुप बैठे रहे। ये लोग डबल इंजन सरकार की बात करते हैं, जिसमें इनका एक इंजन फेल हो गया और दूसरा इंजन डी–रेल हो गया। उन्होंन तंज भरे लहजे में कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं– मोदी है तो मुमकिन है। लेकिन..अगर मोदी है तो महंगाई, बेरोजगारी, महंगा पेट्रोल–डीजल, गैस सिलेंडर और खेती–किसानी पर जीएसटी मुमकिन है। इस मौके पर यूपी कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि आज हमारे सामने संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। ये चुनाव तय करेगा कि हमारा देश संविधान और लोकतंत्र से चलेगा या तानाशाही से चलेगा। हमें हर बूथ पर जीत हासिल करने का संकल्प लेना है, तभी हमारी विजय होगी।

भाजपा उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतेगी – भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने चौथे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद कहा कि चरण दर चरण विपक्ष की हताशा सामने आ रही है। विपक्षी नेताओं की भाषा व भावभंगिमा बिगड़ चुकी है। दावा किया कि भाजपा का प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के नेता केवल अपना घर बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। सपा, कांग्रेस, बसपा सहित तमाम दलों के बचे गढ़ भी जनता ढहा रही है। विपक्ष को भी अपनी करारी हार का एहसास है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव व मायावती सहित तमाम विपक्षी नेता प्रचार के लिए निकल नहीं रहे हैं। वहीं प्रत्याशी परिवर्तन का दौर अभी भी जारी है। मुस्लिम तुष्टीकरण का कांग्रेस–इंडी गठबंधन का एजेंडा जाहिर हो चुका है। इस बार 400 सीटें जीतकर भाजपा सरकार फिर बनने जा रही है। उधर, योगी सरकार के जलशक्ति मंत्री और सहकारिता मंत्री जेपीएस ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि हार की हताशा में सपाई और इंडी पार्टनर्स हिंसा पर उतारू हो गए हैं। अपने बयानों से भड़काने का कुकृत्य करने लगे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनका पूरा परिवार चुनाव हार रहा है। भाजपा चौथे चरण की सभी 13 सीटों को भारी अंतर से जीत रही है। पूरे देश में पराजित होने की वजह से इंडी गठबंधन के नेता लगातार अनर्गल बयान दे रहे हैं।

मोदी सरकार को लोकसभा में पहले ही पूर्ण बहुमत मिल चुका - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि चार चरणों के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा में पूर्ण बहुमत मिल चुका है। पश्चिम बंगाल के बनगांव में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के चार चरणों का मतदान पूरा हो चुका है, 380 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। बंगाल में 18 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। मैं आपको बता दूं कि 380 सीटों में से पीएम मोदी को पहले ही 270 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिल चुका है। शाह मटुआ समुदाय के गढ़ में बोल रहे थे जहां उन्होंने सीएए के तहत उनके सदस्यों को नागरिकता का आश्वासन दिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इसके बारे में अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी बंगाल में नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन को कभी नहीं रोक सकतीं क्योंकि यह केंद्र सरकार का कानून है। अमित

शाह ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत मेरे शरणार्थी भाइयों को भारत का नागरिक बनने से नहीं रोक सकती। ये मोदी जी का वादा है। ममता बनर्जी को याद रखना चाहिए कि नागरिकता केंद्र सरकार के विशेष अधिकार के अंतर्गत आती है, न कि राज्य सरकारों के अधीन। ममता बनर्जी झूठ बोल रही हैं कि जो कोई भी सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करेगा उसे समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मैं मतुआ समुदाय के लोगों को आश्वस्त करने आया हूं।

सत्ता में नहीं लौटेंगे नरेंद्र मोदी, यही है एकमात्र गारंटी – ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में नहीं लौटेंगे। संदेशखाली विवाद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में एकमात्र गारंटी यह है कि मोदी सत्ता में नहीं लौट रहे हैं। इंडिया ब्लॉक 295 से 315 सीटें हासिल करेगा। भाजपा अधिकतम 200 तक सीमित रहेगी। बीजेपी और पीएम इस मुद्दे पर झूठ फैला रहे हैं। नादिया के कल्याणी में एक रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि शगारंटी बाबूश (मोदी की गारंटी पर कटाक्ष) पश्चिम बंगाल को बदनाम कर रहे हैं। अब, जब सच्चाई सामने आ रही है (कथित वीडियो का जिक्र है), तो वे टीवी चौनलों से उन्हें न दिखाने के लिए कह रहे हैं। वे सच्चाई को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने राज्य की महिलाओं की छवि खराब करने की साजिश रची। बंगाल के बैरकपुर में अपनी चुनावी रैली के दौरान, प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस संदेशखली में अपने पिछले कुकर्मों को छिपाने की कोशिश कर रही है, जहां सत्तारूढ़ दल के नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया है। संदेशखाली की बहनों और माताओं के साथ टीएमसी ने क्या किया, यह हम सभी ने देखा है। पहले पुलिस ने दोषियों को बचाने की कोशिश की, अब टीएमसी ने नया खेल शुरू कर दिया है। संदेशखाली की बहनों को सिर्फ इसलिए धमकी दे रहे हैं।

इलेक्टोरल बांड के नाम पर मोदी ने लांच की भ्रष्टाचार की नयी योजना - प्रियंका गांधी

अमेठी, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा प्रहार करते हुये कहा कि इलेक्टोरल बांड के नाम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार तो भ्रष्टाचार की नयी योजना ही ले आयी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये कहा " भाजपा प्रचार करती है कि मोदी चूंकि भ्रष्टाचार को समाप्त करने में लगे हैं, इसलिये सारे विपक्षी दल उनके पीछे पड़े हैं मगर प्रधानमंत्री मोदी तो इलेक्टोरल बांड के रुप में भ्रष्टाचार की नयी योजना ही ले आये जिसके जरिये हजारों करोड़ रुपये का चंदा लिया गया। उन्होने कहा "भाजपा सरकार की नीतियां सिर्फ बड़े बड़े पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के लिये है और गरीब को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। महंगाई और बेरोजगारी चरम

पर है,किसान परेशान है मगर सरकार चंद पूंजीपतियों का कर्जा माफ कर रही है। उसे जनता की दुख तकलीफ से कोई मतलब नहीं है। रायबरेली और अमेठी से पारिवारिक रिश्ते की दुहाई देते हुये कांग्रेस महासचिव ने कहा कि रायबरेली और अमेठी से उनके परिवार ने राजनीति की सभ्यता सीखी है। उनके पिता स्वर्गीय राजीव गांधी अमेठी की बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने के लिये योजना लाये जिसकी बदौलत कभी सफेद दिखने वाली अमेठी की बंजर जमीने आज हरियाली से परिपूर्ण हैं। स्वर्गीय गांधी पैदल चल कर अमेठी के लोंगों से मिलते थे और उनका दुखदर्द साझा करते थे मगर आज प्रधानमंत्री या भाजपा का कोई नेता गरीब के पास भी नहीं जाता। केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद स्मृति ईरानी पर झूठ बोल कर राजनीति चमकाने का आरोप लगाते हुये कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा नेता का एकमात्र उद्देश्य राहुल गांधी को हराना था और पिछले चुनाव में वह मकसद पूरा होते ही वह अमेठी का विकास भूल गयी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा दुष्प्रचार करती है कि कांग्रेस ने 70 साल में विकास के उतने काम नहीं किये जितने भाजपा की दस साल की सरकार ने किये हैं मगर सच्चाई यह है।

इंडिया गठबंधन का समर्थन कर रही है जनता – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने आज भाजपा पर एक बार फिर से बड़ा हमला किया है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि पार्टी के बुंदेलखण्ड तक पहुंचते–पहुंचते भाजपा का अहंकार खत्म हो जाएगा। बीजेपी का ग्राफ गिर रहा है और इसकी कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के प्रति लोगों का गुस्सा भी बढ़ रहा है...किसानों के लिए पानी की कोई व्यवस्था नहीं, फसलों की खरीद के लिए कोई व्यवस्था नहीं, राशन के नाम पर यहां धोखा हो रहा है। बुन्देलखण्ड की जनता जानती है कि उनका दुश्मन कौन है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि जनता इंडिया गठबंधन और समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही है। 140 करोड़ जनता बीजेपी को 140 सीटों पर सीमित कर देगी। अब कोई मन की बात नहीं सुनना चाहता, संविधान की बात सुनना चाहता है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इंडिया गठबंधन जीतेगा। जनता इंडिया गठबंधन का समर्थन कर रही है.. .जो लोग सोचते हैं कि वे धोखे से जीत सकते हैं, जनता उन्हें अपने वोटों से जवाब देगी। लोग भाजपा के काम से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यादव ने चौथे चरण के मतदान के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में कहा, चार चरणों के बाद जनता ने भाजपा के '400 पार' के दावे के आगे से 4 गायब कर दिया है और अब डबल इंजन वालों की संभावना में बस डबल शून्य बचे हैं। भाजपा की सरकार बनाने की संभावना 00फीसदी है।'' उन्होंने इसी संदेश में आगे कहा, आगामी तीन चरणों में भी जनता भाजपा को हराने के लिए और 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनाने के लिए, चार चरणों से भी उत्साह से वोट डालेगी। यादव ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन को जनता जिता रही है।

संपादकीय

सहमा पाकिस्तान

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे–चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ–पांव फूल गये हैं। दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह–जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी। भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात–आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू–कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है, अमन चाहती है, विकास चाहती है, जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है। दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था।

विरोध प्रदर्शनों ने अमेरिकी राजनीति को हिलाकर रख दिया

आदित्य

अमेरिका में ग्रेजुएशन सीजन शुरू हो रहा है, एक जीवंत अवधि जब गाउन पहने जाते हैं, मोर्टारबोर्ड और पार्टियाँ फेंकी जाती हैं, और छात्र दुनिया में कदम रखने का जश्न मनाते हैं। हालाँकि, इस साल गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई के खिलाफ छात्रों के विरोध के कारण कैंपस के कई कार्यक्रम रद्द किए जा रहे हैं। फिलिस्तीनी समर्थक विरोध प्रदर्शनों के कारण कुछ दीक्षांत समारोह बाधित हुए हैं। जब सार्वजनिक नैतिकता में सुधार की आवश्यकता होती है, तो छात्र अक्सर हस्तक्षेप करते हैं जबकि राजनेता भू–राजनीतिक निवेशों से चिपके रहते हैं। बिडेन प्रशासन के पास नागरिकों के खिलाफ इजरायली रक्षा अभियानों को रोकने या कम करने का अधिकार है, लेकिन उसने ऐसा नहीं करने का फैसला किया है। पुराने सहयोगी की रक्षा करने में निष्क्रियता ने अब युवाओं को अलग–थलग कर दिया है। अक्टूबर 2023 के बाद, जब हमास के हमलों ने हिंसा का मौजूदा चक्र शुरू किया, तो अमेरिका में इजरायली प्रतिक्रिया की आलोचना अपमानजनक थी। अमेरिकी यहूदी समूहों ने इजरायली कार्रवाई के विरोध को यहूदी–विरोध के बराबर बताते हुए प्रचार अभियान चलाया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय परिसर का चक्कर प्रतिदिन एक प्रोपेलर विमान द्वारा लगाया जाता था जिसके पीछे एक बैनर लगा होता था जिस पर लिखा होता थारू ष्हार्वर्ड यहूदियों से नफरत करता है।ष आज, वही परिसर फिलिस्तीन के पक्ष में कब्जा–जैसे आंदोलन का स्थल है। हार्वर्ड यार्ड, विश्वविद्यालय का पुराना केंद्र, दुनिया भर के उन परिवारों के लिए एक पर्यटक आकर्षण है जो अपने बच्चों को रखना चाहते हैं। आज, इसे इस डर से बंद कर दिया गया है कि टेंट वाले क्षेत्र में उनकी संख्या बढ़ जाएगी। निगरानी हेलिकॉप्टर ऊपर चक्कर लगाते हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन युवाओं में हो रहे इस बदलाव को लेकर सतर्क नजर आ रहे हैं। गुरुवार को, उन्होंने कहा कि इजराइल रक्षा बलों द्वारा राफा पर पूर्ण पैमाने पर हमला देश को अमेरिकी सैन्य सहायता रद्द कर देगा। यह बहुत कुछ कह रहा है क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध बिना शर्त रहे हैं, कम से कम अमेरिकी अर्थव्यवस्था, शिक्षा और कला में यहूदी पेशेवरों और उद्यमियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति के कारण नहीं। लेकिन घरेलू भावनाओं को यह रियायत उन हफ्तों के बाद मिली जब यह छात्रों की आवाजाही पर खुला मौसम था। इस पर अव्यवस्थित होने का आरोप लगाया गया. दरअसल, कैलिफोर्निया से न्यू इंग्लैंड तक, विश्वविद्यालयों द्वारा इजरायली हितों से बंदोबस्ती और शुल्क का विनिवेश करने और सरकार से कर डॉलर के साथ सैन्य कार्रवाई का वित्तपोषण बंद करने की मांग को लेकर आंदोलन चल रहा है। ष्एक पैसा भी नहीं, एक पैसा भी नहींष यह नारा सड़कों पर सबसे अधिक बार सुना जाता है, हालांकि ष्नदी से समुद्र तकष् को कवरेज में सबसे अधिक बार उद्धृत किया गया है। विडम्बना यह है कि आन्दोलन को अत्यधिक संगठित होने के कारण भी अपमानित किया गया। लोग शिकायत करते हैं कि छात्र शिविरों में सभी तंबू एक जैसे दिखते हैं, जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि संगठित हित, शायद राजनीतिक दल, आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। यह बिल्कुल भी कोई तर्क नहीं है. भारत में, पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली से लेकर सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य तक सभी वर्गों के नेता पार्टियों द्वारा समर्थित छात्र राजनीति के उत्पाद हैं। यह आम है। विनिवेश की छात्रों की मांग की अपनी समस्याएं हैं। अधिकारियों का तर्क होगा कि रूसी तेल जैसे एकल उत्पाद के खिलाफ प्रतिबंधों के विपरीत, इसे लागू करना असंभव है (और यह भी काम नहीं करता है)। निवेशकों के लिए वैश्विक वित्त में इतना गहरा अंतर्संबंध है कि वे हर इजराइल लिंक को पहचान नहीं सकते और उसे अस्वीकार नहीं कर सकते। लेकिन विनिवेश प्रभावी है. दक्षिण अफ्रीका से विनिवेश के लिए अमेरिकी परिसरों में दशकों तक चले आंदोलन ने, जो 1980 के दशक में चरम पर था, रंगभेद को समाप्त करने में भूमिका निभाई। यह सिर्फ पैसे के बारे में नहीं है. इस सप्ताह भारत में, अशोक विश्वविद्यालय के छात्रों ने अधिकारियों से तेल अवीव विश्वविद्यालय के साथ संबंध तोड़ने का आग्रह किया। विनिवेश के साथ–साथ संस्थागत संबंधों का टूटना इजरायली परिसरों को धूमिल कर देगा। अनुसंधान बेहद सहयोगात्मक हो गया है और कई देशों के दर्जनों लोग एक ही पेपर का श्रेय साझा कर सकते हैं। 2015 में, हिग्स बोसोन के द्रव्यमान का बारीकी से आकलन करने वाले एक पेपर में 5,154 लेखक थे, जो वर्तमान विश्व रिकॉर्ड है। लेकिन एक बहुत ही संकीर्ण क्षेत्र पर विचार करें, जैसे कि एक्स–रे क्रिस्टलोग्राफी का उपयोग करके राइबोसोम पर शोध, जिसके लिए वेंकी रामकृष्णन ने 2009 में नोबेल जीता था। इस क्षेत्र में बहुत कम लोग काम करते हैं, लेकिन फिर भी रामकृष्णन ने अपना पुरस्कार एक इजरायली एडा योनाथ के साथ साझा किया। यह कल्पना करना बेतुका है कि इजराइल को इसके दायरे को कम किए बिना वर्तमान अनुसंधान से बाहर रखा जा सकता है। इस तरह के हतोत्साहन को देखते हुए, विनिवेश और ब्लैकबॉलिंग संभवतः इजराइल के धनुष पर दागे गए कुछ शॉट्स तक ही रुक जाएगी। लेकिन अमेरिका में यह चुनावी मुद्दा बना रहेगा. 1968 का राष्ट्रपति चुनाव एक मोटे तौर पर समानता प्रदान करता है। इसमें एक कठिन बाहरी मुद्दा हावी था – वियतनाम युद्ध की दृढ़ता, साथ ही घरेलू स्थिति के बारे में बेचैनी (हिप्पी स्वतंत्र, वुडस्टॉक आगे)। रिचर्ड निक्सन ने जीत हासिल की क्योंकि वह अपने प्रतिद्वंद्वी, पूर्व डेमोक्रेट उपाध्यक्ष ह्यूबर्ट हम्फ्री को उन सभी चीजों के साथ जोड़ने में सक्षम थे, जो सभी गड़बड़ थीं और उन्होंने इंडोचीन से सेना वापस लेने का वादा किया था। उसी समय, रोनाल्ड रीगन बर्कले को साफ करने का वादा करके कैलिफोर्निया के गवर्नर बन गए, जिसका परिसर युद्ध–विरोधी विरोध का केंद्र था।

लोकलुभावनवाद को बढ़ावा देना कट्टरता

विनोद

पिछले 12 वर्षों से या 13 वर्षों से, भारत के सबसे प्रसिद्ध और सबसे अधिक पढ़े जाने वाले स्तंभकारों ने देश को सूचित किया है कि जो कोई भी नरेंद्र मोदी की घटना की प्रशंसा नहीं करता है, उसने अपनी आलोचनात्मक क्षमताओं, भारत के विशाल वर्ग कैसा महसूस करते हैं और करते हैं, इसकी समझ को त्याग दिया है। वे जिस दुनिया में रहते हैं, उसे नहीं समझते। जिस किसी ने भी श्री मोदी की साख, उनके पिछले बयानों, उनकी बड़े पैमाने पर कट्टरता और 2002 के दंगों में उनकी भूमिका पर सवाल उठाया, जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो वे मामूली विवरणों पर ध्यान केंद्रित करने में अपना समय बर्बाद कर रहे थे। यह नया मोदी भारत में प्रगति लाने वाला था, नौकरियाँ पैदा करने वाला था, भ्रष्टाचार खत्म करने वाला था और भी बहुत कुछ। अब, 13 साल बाद, नरेंद्र मोदी ने स्वयं प्रधान मंत्री के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए निम्नलिखित मुद्दों पर प्रचार किया है यदि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, तो वह सभी का धन छीन लेगी और मुसलमानों को दे देगी, वह आपके घरों में प्रवेश करेगी और कब्जा कर लेगी यह आपके परिवार का सोना और महिलाओं के गले से विवाहित होने की निशानी मंगलसूत्र छीन लेगा, यदि आपके पास दो भैंसें हैं तो यह एक छीन लेगा, यह भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों का

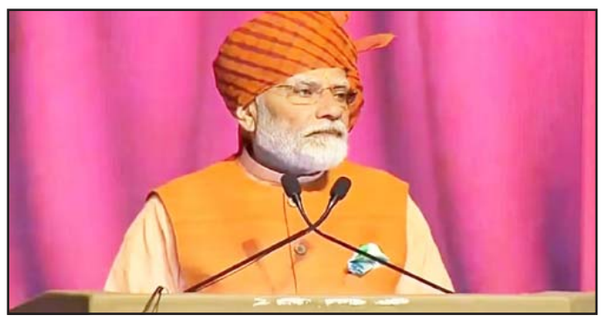

फैसला उनके धर्म के आधार पर करेगा... उनकी अपनी अद्भुत उपलब्धियों के बारे में एक भी पंक्ति नहीं। नौकरियाँ और धन सृजित हुआ। नया भारत, प्रगति और विकास से भरपूर। भ्रष्टाचार का अंत. भारत का गौरव, जो उनके अलावा सभी राजनेताओं द्वारा लंबे समय से दबा हुआ था, अब दुनिया के सामने आ गया है। दिलचस्प बात यह है कि हालांकि उनका ट्रेडमार्क व्याप्त इस्लामोफोबिया खत्म नहीं हुआ है, लेकिन वह अयोध्या में राम मंदिर के अपने हालिया उद्घाटन को लेकर गर्व से फूले नहीं दिख रहे हैं। मोदी दशकों से बीजेपी संस्थापक लालकृष्ण के संगठन से लेकर राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े रहे हैं. 1990 के दशक में भारत का ध्रुवीकरण करने के लिए आडवाणी की रथ यात्रा से लेकर 1992 और उसके बाद बाबरी मस्जिद के विध्वंस तक। लेकिन अजीब बात है कि कोई यह मान सकता है कि यह उनकी सर्वोच्च महिमा होगी, लेकिन कांग्रेस पार्टी के प्रति उनके जुनून ने किसी तरह उन्हें पीछे छोड़ दिया है। उनका नवीनतम दावा कि राहुल गांधी ने साठगांठ वाले पूंजीवाद और भारत के दो शीर्ष उद्योगपतियों पर मोदी की निर्भरता का जिक्र करना बंद कर दिया है क्योंकि वे राहुल गांधी को भारी मात्रा में नकदी भेज रहे हैं, सबसे मजेदार और सबसे ज्यादा बताने वाला है। दरअसल उन्होंने यहां अपने दो टॉप फाइनेंसर्स के नाम बताए हैं। उन्होंने उन पर खुलेआम अपने सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी का समर्थन करने का आरोप लगाया है. और उन्होंने उन पर भारतीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया है. कुछ जगहों पर इसे भारत के प्रधान मंत्री द्वारा मंदी कहा जाएगा। लेकिन वास्तविकता के हमारे अपने संस्करण में, कब तक कुछ बहुप्रशंसित स्तंभकार और टिप्पणीकार मोदी के आरोपों को अपने कार्यों के लिए विपक्ष को दोषी ठहराने के मास्टरस्ट्रोक के रूप में पेश करेंगे? यदि वास्तव में मोदी किसी अन्य की तुलना में भारतीय समाज के कुछ वर्गों का अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व करते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि वह कम रुचिकर तत्वों के लिए बोलते हैं। वे जो दूसरों के प्रति पित्त और नफरत से भरे हुए हैं, जो विभाजनकारी वैमनस्य में आनंद लेते हैं, जो हिंसा को पसंद करते हैं और जो अपने मूल्य के बारे में भारी असुरक्षा से निराश हैं। ये वे लोग हैं जो मोदी और उनकी बयानबाजी की सबसे अधिक प्रशंसा करते दिखाई देते हैं। यदि वास्तव में उनके शब्द और कार्य ष्मास्टरस्ट्रोकष् हैं, जैसा कि हमें एक दशक से अधिक समय से लगातार बताया जा रहा है, तो यह मानवता में सबसे खराब स्थिति को दूर करने के लिए हमारे कुछ बेहतरीन लोगों के दिमाग में एक मास्टरस्ट्रोक है। और शायद यह है, क्या आप बहस करेंगे? यदि किसी राजनेता का एकमात्र उद्देश्य चुनाव जीतना है, तो हमारे सामाजिक विशेषज्ञों के लिए कोई भी नियम लागू नहीं होना चाहिए या लागू नहीं हो सकता। (यह दूसरी बात है कि हमारी राज्य एजेंसियों के अनुसार, सत्तारूढ़ दल पर कोई नियम लागू नहीं होता है।) जनता के एक निश्चित वर्ग के बीच लोकप्रियता के कारण लगातार अक्षमता या नफरत को बढ़ावा देना इस दिशा में पहला कदम बनने के लिए झुकना है। फासीवाद. जानबूझकर जिम्मेदारी से अधिक रैंक लोकलुभावनवाद को बढ़ावा देना कट्टरता, नफरत और तानाशाही की राह पर कायरता का सबसे सस्ता रूप प्रदर्शित करता है। और इसलिए बहुत, बहुत दुख की बात है कि हमारे टिप्पणीकारों ने यही किया है। आज भी, जैसे–जैसे मोदी की टिप्पणियाँ अधिक से अधिक विचित्र होती जा रही हैं, वे एक दूरस्थ कांग्रेस पदाधिकारी की कुछ अनावश्यक टिप्पणियों को चुनने का निर्णय लेते हैं और किसी तरह उन्हें प्रधान मंत्री के अभियान भाषणों के साथ जोड़ते हैं। दोषी मीडिया की मदद से, वे कथा को नियंत्रित करने और इसे मोदी की महानता की ओर ले जाने का प्रयास करते हैं। त्रासदी यह है कि स्वयं और अपने योग्य विचारों के प्रति ईमानदार होने के बजाय, वे किसी अन्य शक्ति केंद्र के उभरने पर उसके पीछे भागने की संभावना रखते हैं। यही चीज उन्हें रोमांचित करती हैरू आस–पास रहना और इस प्रकार सत्ता की संभावनाओं का ष्आकलनष् करना। इस विशेषाधिकार के लिए, वे हर चीज से समझौता करने में प्रसन्न होते हैं। आप यह तर्क दे सकते हैं कि वे गलत नहीं थे। कि मोदी जैसा व्यक्ति बहुत लोकप्रिय है. समस्या यह है कि मोदी कोई फिल्मस्टार नहीं हैं, जिनका काम उनकी लोकप्रियता पर बिकता है। एक राजनेता के रूप में वह एक याचक हैं, लोगों से भीख मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री के रूप में वह जिम्मेदारियों वाली एक संवैधानिक इकाई हैं। उन जिम्मेदारियों को निभाने में विफलता को लोकप्रियता से माफ नहीं किया जा सकता। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके शब्द कितने सुंदर हैं या आपको लगता है कि आपका तर्क कितना सम्मोहक है। क्या वाई वास्तव में यह 4 जून को होगा, जब इन चुनावों के नतीजे घोषित होंगे, कौन जानता है? मैं निश्चित रूप से नहीं करता। यदि आप जानते हैं, तो शायद आप उन लोगों में से एक हैं जो गुप्त मतदान प्रणाली और संवैधानिक एजेंसियों को तोड़ने में आनंद लेते हैं जिनका काम हमारे लोकतंत्र को सुरक्षित और बचाव करना है। और यदि आप सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह नहीं ठहराते हैं, तो आप निश्चित रूप से एक कठपुतली हैं। भले ही आप खुद को कितना भी लोकप्रिय दिमाग क्यों न मानते हों।

मूल ध्वनि तरंगों का प्रतिनिधित्व

संजय

जैसे ही कोई पास में लगे माउथपीस में बोल रहा था, घूमते सिलेंडर के सामने रखी एक हीरे की शैली ने टिन की पन्नी में छोटे–छोटे डेंट बना दिए। ये डेंट मूल ध्वनि तरंगों का प्रतिनिधित्व करते थे। पूरी प्रक्रिया मैन्युअल रूप से, यानी बिना बिजली के चलायी गयी। थॉमस एडिसन का फोनोग्राफ रिकॉर्ड बेलनाकार था। इसमें टिन की पन्नी में लपेटा हुआ एक छोटा धातु सिलेंडर होता था और एक घुरी पर लगाया जाता था जिसे घुमाया जा सकता था। जब थॉमस अल्वा एडिसन ने 1877 में अपने पहले फोनोग्राफ में मैरी हैड ए लिटिल लैम्ब सुनाया, तो उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि ध्वनि पुनरुत्पादन की अवधारणा दुनिया भर के मनोरंजन उद्योग पर हावी हो जाएगी। लाल चंद बोराल का कादर कुलेर बौ गो तुमी सुपर हिट रहा और ग्रामोफोन कंपनी को उच्च राजस्व प्राप्त हुआ। कलकत्ता में व्यावसायिक रूप से बनाई गई पहली भारतीय रिकॉर्डिंग 8 नवंबर, 1902 को हुई थी। गायक अमरेंद्र नाथ दत्ता के क्लासिक थिएटर की दो नाच लड़कियां, शशि मुखी और फेनी बाला थीं। 14 और 16 साल की उम्र के ये बच्चे शायद घनि रिकॉर्डिंग के बारे में कुछ भी नहीं जानते थे और उनकी आवाज खराब थी (जैसा कि एफ.डब्ल्यू. गेसबर्ग ने अपनी आत्मकथा, द म्यूजिक गोज राउंड में वर्णित किया है)। आरंभिक रिकॉर्डिंग नाचती लड़कियों और कोठावलियों से ली गई थीं। अमला दास किसी श्सम्मानित परिवारश् की पहली महिला थीं, जिन्होंने अपनी आवाज रिकॉर्ड की थी। तत्कालीन संगीत जगत में श्मिस दासश् के नाम से मशहूर अमला देशबंधु चितरंजन दास की बहन थीं। भारत में ग्रामोफोन को व्यावसायिक रूप से आए ठीक 96 साल हो गए हैं – 33 जेसोर रोड पर ग्रामोफोन कंपनी का कारखाना खोले जाने के 96 साल बाद। पहला रिकॉर्डिंग अभियान शुरू करने के बाद, ग्रामोफोन कंपनी ने लगभग तुरंत सफलता का स्वाद चखा। भारत में बनी रिकॉर्डिंग की मास्टर डिस्क को अंतिम प्रेसिंग और लेबलिंग के लिए जर्मनी ले जाना पड़ता था। जैसे–जैसे देश का रिकॉर्ड उद्योग बढ़ता गया, ग्रामोफोन कंपनी को लागत और समय में कटौती करने के लिए भारत में रिकॉर्ड–प्रेसिंग प्लांट स्थापित करना संभव लगा। इस उद्देश्य के लिए चुनी गई जगह सियालदह के पास बेलियाघाटा थी। यह फैक्ट्री श्बाजा खन्नाश् के नाम से मशहूर हो गई। भारत में संगीत उद्योग के शुरुआती दिनों में, हेमेंद्र मोहन बोस ने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए फोनोग्राफ का उपयोग करने का अवसर देखा। शुरुआत में, उन्होंने पाथे फोनोग्राफ बेचने के लिए पाथे फ्रेरेस के साथ सहयोग किया। उद्यम सफल रहा. इससे प्रोत्साहित होकर बोस ने एच नाम से अपना स्वयं का सिलेंडर लॉन्च किया।

प्रवासी कामगारों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

ललित

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून–पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है। भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन–पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दर्शाता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम–शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं। भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है। दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लगभग

10,000 कामगारों को उसके यहां भेजे। विदेशों से धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत, आत्मीय व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए और उनका समाधान किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत अपने प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित देशों से रणनीतिक तरीकों से रास्ता निकालना चाहिए। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है। खासकर कोविड–19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ और डा. मयंक द्विवेदी, निदेशक, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने संयुक्त रूप से 15 मई, 2024 को एक अकादमिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ और डॉ. मयंक द्विवेदी, निदेशक, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने संयुक्त रूप से 15 मई, 2024 को एक अकादमिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का समन्वय लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था। लखनऊ विश्वविद्यालय और डीएमएसआरडीई, कानपुर के बीच इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य देश और समाज के लाभ के लिए वैज्ञानिक ज्ञान में उन्नति प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम को बढ़ावा देना है। यह लखनऊ विश्वविद्यालय और डीएमएसआरडीई, कानपुर के लिए सहयोगात्मक प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधा के लिए उद्देश्यों और शक्तियों की संपूरकता के आधार पर सहक्रियात्मक रूप से काम करने का एक अवसर होगा।

यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशिक्षण में कई पारस्परिक आदान –प्रदान कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करेगा जैसे कि अनुसंधान, वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्रियों का आदान–प्रदान, पारस्परिक हित के विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम, संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम, इंटर्नशिप, प्रशिक्षण, लघु शोध प्रबंध कार्यक्रम, इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा साझा करना।

डीएमएसआरडीई, कानपुर की ओर से इस समझौता के साक्षी थे डॉ. अमित सरैया, वैज्ञानिक–एफ एवं प्रमुख, टीसी एवं एचआरडी, डीएमएसआरडीई, कानपुर तथा विश्वविद्यालय की ओर से प्रोफेसर अनिल मिश्रा, विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय थे। डीन एकेडमिक सेल प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने इस समझौते का निष्पादन किया। लखनऊ में स्थित डीएमएसआरडीई, कानपुर की एक सहयोगी प्रयोगशाला, रक्षा प्रौद्योगिकी और परीक्षण केंद्र में वैज्ञानिक–एफ डॉ. आशीष दुबे भी उपस्थित थे। एमओयू का समन्वयन लखनऊ विश्व विद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. नीरज कुमार मिश्रा द्वारा किया गया।

लखनऊ से निर्दलीय प्रत्याशी अखंड प्रताप सिंह को पत्रकार संगठन एनयूजे(आई) के समर्थन का ऐलान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ. आज मीराबाई मार्ग स्थित विधायक निवास में आहूत प्रतिष्ठित नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स NUJ के एक विशेष बैठक में 35– लखनऊ संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी अखंड प्रताप सिंह जिनका चुनाव चिन्ह सिलाई की मशीन है को एक स्वर से इस लोकसभा चुनाव में समर्थन देने का ऐलान किया गया.

अखंड प्रताप सिंह खुद भी मीडिया जगत के वरिष्ठ कर्मयोगी हैं जो देश के कई नामचीन मीडिया हाउसेस में वरिष्ठ पदों पर कार्य कर चुके हैं.

इस अवसर पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सक्सेना, प्रमोद गोस्वामी, अजय कुमार, अनुपम चौहान, के बख्श सिंह सहित भारी संख्या में यूनियन के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन की 213 वीं स्थाई वार्ता तंत्र की दो दिवसीय बैठक का आयोजन

प्रशासनिक कार्यों एवं कर्मचारी हित के मुद्दों पर हुई वार्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर रेलवे,लखनऊ मण्डल के मंडलीय कार्यालय में स्थित सभागार में उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन की दो दिवसीय 213 वीं स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक का आयोजन किया गया स इस बैठक का शुभारम्भ मंडल रेल प्रबंधक, एस. एम. शर्मा ने किया। उल्लेखनीय है कि इस वार्ता तंत्र का आयोजन नियमित तौर पर किया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रशासन एवं यूनियन के आपसी सामंजस्य एवं सहभागिता के द्वारा पारदर्शिता के साथ प्रशासनिक एवं कर्मचारी मुददों के त्वरित समाधान की दिशा में तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए उचित समय पर इनका निस्तारण करना है। यूनियन तथा प्रशासन के उचित तालमेल द्वारा प्रशासनिक कार्यकलापों को सुगमतापूर्वक एवं सरलता के साथ निर्धारित समय पर संपन्न करने के साथ ही कर्मचारी हितों एवं कल्याण की दिशा में भी यह वार्ता तंत्र अपनी महत्वपूर्ण एवं सशक्त भूमिका का निर्वहन करती है । आज आयोजित होने वाली इस

बैठक को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने मंडल की वर्तमान उपलब्धियों एवं भविष्य में क्रियान्वित की जानेवाली विभिन्न योजनाओं एवं कार्यप्रणाली से यूनियन के पदाधिकारियों को अवगत कराया साथ ही उन्होंने कर्मचारियों के हितों की दिशा में रेल प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णयों एवं उठाये गए कदमों से भी यूनियन के पदाधिकारियों को अवगत कराया। इस बैठक में उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों ने प्रशासन द्वारा लखनऊ मंडल के कर्मचारी हित एवं कल्याण संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने की अपेक्षा की तथा आज की इस वार्ता में रेलवे कर्मचारियों के आवासों का उचित रखरखाव, कर्मचारियों को देय भुगतानों का यथासमय भुगतान, मण्डल के विभिन्न यूनिटों एवं इकाइयों में कार्य करने वाले कर्मियों हेतु स्वच्छ शौचालय एवं शुद्ध पानी की व्यवस्था,कर्मियों के मेडिकल क्लेम का यथासमय भुगतान किया जाना, टी. टी. ई. रेस्ट हाऊसों में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में वृद्धि करना, सहित अन्य प्रमुख बिन्दुओ पर चर्चा हुई। इस अवसर पर उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन के मण्डल अध्यक्ष श्री आर.पी.राव, मण्डल मंत्री श्री अवधेश कुमार दुबे, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री सचिन वर्मा सहित समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष तथा उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

थाना मड़ियांव पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के आरोपी एक वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना मड़ियांव की पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित मुकदमें का अनावरण करते हुए 01 नफर वांछित अभियुक्त को

गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण प्रदान करते हुए पुलिस ने कहा कि दिनांक 13.05.2024 को वादिनी उम्र करीब 25 वर्ष द्वारा धर्मेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा वादिनी के साथ शादी का झांसा देकर जबरदस्ती शारिरिक संबन्ध बनाने मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने तथा धर्मेन्द्र के पिता व भाभी द्वारा शादी से मना करने तथा आरोपीगण द्वारा वादिनी को दवा खिलाकर गर्भपात करा देने विषयक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–305/24 धारा–376/313/323/506 भा०द०वि० बनाम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह आदि के पंजीकृत किया गया। दिनांक 14.05.2024 को पुलिस टीम थाना हाजा पर मौजूद थी कि जरिए मुखबिर खास सूचना मिली कि आपके मुकदमें से संबन्धित अभियुक्त नौबस्ता मोड़ पर पीड़िता से बात करने के लिये चक्कर लगा रहा है यदि जल्दी किया जाय तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर पुलिस टीम मुखविर के बताये गये स्थान पर पहुँची तथा मुखबिर के द्वारा बताये गये खड़े व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र तालुकेदार सिंह निवासी बक्सी का तालाब महिंगवां थाना महिंगवा लखनऊ हालपता बसंत बिहार कालोनी थाना मड़ियांव जनपद लखनऊ उम्र 27 वर्ष बताया। पकड़े गये व्यक्ति को कारण गिरफ्तारी बताते हुये थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग–305/24 धारा– 376/313/323/506 भा०द०वि० में नियमानुसार पुलिस हिरासत में लिया गया। दौराने गिरफ्तारी व बरामदगी माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशोंधनिर्देशों का अक्षरशः पालन किया गया। विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। आपराधिक इतिहास के सम्बन्ध में अन्य थाना व जनपद से जानकारी की जा रही है।

अपूर्वा सेवा समिति ने की अपूर्वा के विशेष सम्मान की घोषणा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संजय हमनवा सचिव, अपूर्वा सेवा समिति ने कहा कि अपूर्वा के विशेष सम्मान की घोषणा साहित्य व समाज सेवा के क्षेत्र में पिछले 29 वर्ष से कार्यरत संस्था के विशेष सम्मानश 2024 की घोषणा निर्णायक मंडल की बैठक के बाद सचिव, संजय मल्होत्रा हमनवा द्वारा की गई। इस वर्ष का सर्वोच्च अपूर्वा सम्मान पदमश्री० गौरव खन्ना को दिया जाएगा संस्था इससे पूर्व पद्म विभूषण अमृता प्रीतम, पदम श्री बेकल उत्साही पद्म श्री विद्या बिन्दु सिंह,

अदम गोड्वी, प्रो० रवि भट्ट समेत देश के अनेक गणमान्यों को सम्मानित कर चुकी है।

सामाजिक कार्यों में योगदान दें संबद्ध संस्थान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से संबद्ध संस्थानों को नैक में अच्छी ग्रेडिंग दिलाने के लिए आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन मार्गदर्शन कार्यशाला का तीसरे दिन बुधवार को समापन हो गया। अंतिम दिन वाराणसी जोन के संस्थानों ने कार्यशाला में हिस्सा लिया। माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञों ने नैक में अच्छी ग्रेडिंग पाने के लिए विस्तार से अपने अनुभव साझा किया। सेल्फ स्टडी रिपोर्ट सहित सातों क्राइटेरिया के बारे में समग्र जानकारी दी गयी। जिससे कि संस्थानों को नैक में आवेदन करने में आसानी हो सके। अंतिम दिन बतौर विशेषज्ञ एमएमएमयूटी गोरखपुर के प्रो0 वीएल गोले ने सातो क्राइटेरिया के बारे में जानकारी दी। कहा कि कॉलेज नैक एक्रिडेशन के पहले ऐसे आईडी बना सकते हैं। अच्छी ग्रेडिंग के लिए हर क्राइटेरिया महत्वपूर्ण है। साथ ही एसएसआर यानि सेल्फ स्टडी रिपोर्ट पर भी गंभीरता से कार्य करने की जरूरत होती है। इस क्रम में एचबीटीयू कानपुर की प्रो0 वंदना कौशिक दीक्षित ने नैक के लिए विशिष्टता और बेस्ट प्रैक्टिसेस पर प्रकाश डाला। बताया कि संस्थानों को शिक्षा के अलावा सामाजिक कार्य भी करने चाहिए। महिलाओं को सशक्त बनाने वाले कार्यक्रम कराया जा सकता है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा को बढ़ावा देने में संस्थान अपना योगदान दे सकते हैं। इसके लिए महिला अध्ययन केंद्र स्थापित किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जा सकते हैं। टीबी मरीजों को गोद लिया जा सकता है। साथ ही खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करायी जा सकती हैं। इन सबसे नैक में काफी फायदा मिलता है। धन्यवाद आईक्यूएसी एकेटीयू की डायरेक्टर प्रो0 वंदना सहगल ने दिया।

दया प्रीति और भक्ति भजन से परमात्मा की प्राप्ति होती है आचार्य आशीष कृष्ण शास्त्री

विशेष संवाददाता

जय प्रकाश सुजानगंज

सुजानगंज/जौनपुर। दया, प्रीति और भक्ति भजन से परमात्मा की प्राप्ति होती है। मानव शरीर ही दया, प्रीति और भक्ति भजन करने का साधन शरीर है अतः शरीर ही परमात्मा की प्राप्ति का मुख्य साधन है उक्त उद्गार सुजानगंज क्षेत्र के पढुआ गांव में श्रीमती केवला देवी एवं विश्वनाथ विश्वकर्मा, श्रीमती गिरिजा देवी एवं शिव शंकर विश्वकर्मा के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के चौथे दिन कथा व्यास आचार्य आशीष कृष्ण शास्त्री जी ने व्यक्त किया।

कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए ऋषभदेव एवं भरत के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव आत्मा को दया धर्म का पालन करना चाहिए और पूरे भक्ति अनुराग के साथ परमात्मा से प्रीति लगाना चाहिए। कथा में वामनावतार, मत्स्य अवतार रामावतार तथा कृष्ण जन्मोत्सव को मनाते हुए विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला नंद के घर आनंद भयो जैसे भजन पर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए कथा प्रारम्भ से पूर्व मंचासीन कथा व्यास आचार्य आशीष कृष्ण शास्त्री जी का मुख्य यजमान सपत्नीक माल्यार्पण करके पूजन वंदन किया है। इस अवसर कई क्षेत्रीय सभ्रांत के साथ श्रोताओं की उपस्थिति रही।

मार्ग दुर्घटना में नवयुवक की मौत, एक घायल

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) बिल्हौर कटरा मार्ग पर ट्रक ने ट्रैक्टर–ट्रॉली में टक्कर मार दी। घटना में ट्रैक्टर सवार नवयुवक की मौत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र के पांडेयपुर निवासी देवू कटियार (17) की दादी कमला देवी ग्राम प्रधान हैं। गांव में 13 मई को हुए मतदान में आदर्श पोलिंग बूथ बनाया गया था। बूथ में लगे टेंट का सामान वापस टेंट हाउस पर देने देवू बिंधिहिया निवासी अनीस पाल (22) के साथ गया था।

टेंट हाउस पर सामान उतारने के बाद दोनों ट्रैक्टर–ट्रॉली से वापस गांव जा रहे थे। बिल्हौर कटरा मार्ग पर खम्हरिया गांव के पास

रूपापुर की तरफ से आ रहे ट्रक ने ट्रैक्टर–ट्रॉली में टक्कर मार दी। घटना में देवू और अनीस गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस से सीएचसी सवायजपुर पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां चिकित्सक ने देवू को मृत घोषित कर दिया, जबकि अनीस का उपचार चल रहा है। कोतवाल शेषनाथ सिंह ने बताया कि घटना संज्ञान में है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

थाना इटौंजा पुलिस टीम द्वारा 03 नफर वारंटी को गिरफ्तार किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना इटौंजा पुलिस टीम के द्वारा 03 नफर वारंटी को गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि माननीय न्यायालय श्रीमान कार्यपालक मजिस्ट्रेट डालीगंज लखनऊ द्वारा जारी एनबीडब्लू सम्बन्धित वाद संख्या 15/2024 धारा 107/116 द०प्र०सं० थाना इटौंजा से संबंधित अभियुक्तगण 1. बाबूलाल पुत्र मूलचन्द्र उम्र 35 वर्ष 2. मूलचन्द्र पुत्र स्व० छोटेलाल उम्र 55 बर्ष 3. मदन चन्द्र पुत्र फूलचन्द्र उम्र करीब 30 वर्ष निवासीगण ग्राम भवानीपुर थाना इटौजा जनपद लखनऊ को उसके घर से माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र दिखाते हुए दिनांक 14.05.2024 को हिरासत पुलिस लिया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण के तहत किया गया जागरूक

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी के निर्देशों अनुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण अभियान के क्रम में बुधवार को पाली पुलिस ने कस्बे के कई भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा की दृष्टि के तहत मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी गई जिससे समय रहते महिलाएं एवं बालिकायें उस जानकारी को अपनी आवश्यक्तानुसार उपयोग कर सकें।साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिये जागरूक किया गया। महिला कांस्टेबल स्तुति मौर्या एवं प्रियंका उपाध्याय ने नगर के बाजार एवं मोहल्लों में जाकर महिला एवं बालिकाओं से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को पुलिस द्वारा चलाये जा रहे महिला सशक्तिकरण अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महिला कांस्टेबल स्तुति मौर्या ने महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला सशक्तिकरण के

तहत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबर 112,1090 तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930,चाइल्ड केयर लाइन 1098 ,महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में महिलाओं को विधिवत जानकारी दी।

सहारा ट्रेड सेंटर के व्यापारी हुए एकजुट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अयोध्या रोड स्थित ऑटोमोबाइल के प्रमुख मार्केट सहारा ट्रेड सेंटर के व्यापारियों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल से जुड़ने का निर्णय लिया तथा सहारा ट्रेड सेंटर मार्केट में एक कार्यक्रम आयोजित कर 100 व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण की उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारियों को सदस्यता दिलाई तथा सभी का आदर्श व्यापार मंडल परिवार में स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा सहारा ट्रेड सेंटर के सभी व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए आदर्श व्यापार मंडल कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेगा तथा उनके मान सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा उन्होंने इस अवसर पर सभी व्यापारियों से परिवार सहित 20 मई, को अनिवार्य रूप से मतदान करने की भी अपील की सहारा ट्रेड सेंटर के वरिष्ठ व्यापारी नेता राजू जायसवाल ने बताया अगले सप्ताह नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा तथा व्यापारी सम्मेलन का आयोजन कर व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा इस अवसर पर संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, संगठन के नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव ,उपाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, ट्रांस गोमती उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे। संगठन की सदस्यता लेने वाले एवं

कार्यकारिणी में पदाधिकारी के रूप में चयनित होने वाले पदाधिकारियों में राजू जायसवाल, मुकेश सिंह,संदीप द्विवेदी ,नीरज जायसवाल, ज्योति आदित्य सिंह ,गौरव सिंह, अरुण गुप्ता, सत्य प्रकाश सिंह ,मोहम्मद जफर ,जितेंद्र जायसवाल ,रवि गुप्ता, सूरज बिरवानी, मोहम्मद रजब खान, संदीप श्रीवास्तव, राकेश कुमार, अजय कुमार, मोहम्मद दाऊद सिद्दीकी, महेश जैसवाल, रवि सोनकर, अनुराग अवस्थी, वीरेंद्र राजपूत ,फरहान खान, अक्षय जैन, दिलीप कुमार ,रितेश श्रीवास्तव, कपिल श्रीवास्तव ,मोहम्मद सैफी, विश्व विजय सिंह, मलिक आदि शामिल थे।

गंगा सप्तमी पर नदियों के संरक्षण की शपथ के साथ हुई गंगा आरती

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' बुधवार को गंगा सप्तमी के शुभ अवसर पर गंगा समग्र के कार्यकर्ताओं द्वारा गर्रा नदी पर

स्थित राजघाट (पंचमुखी हनुमान मन्दिर) पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) विनय कुमार सक्सेना उपस्थित रहे और गंगा सप्तमी को पावन पर्व बताते हुये नमामि गंगे द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं का वितरण किया। आरती करने वालो में प्रान्तीय समिति के सदस्य सुबोध कुमार मिश्रा, भावना पाठक एवं विभा रस्तोगी के साथ जिला सह संयोजक सचिन कुमार पाठक, दीपक रस्तोगी, अतुल कुमार पाठक, प्रकाश रस्तोगी, प्रशान्त वर्मा, राज वर्मा, दिलीप रस्तोगी, श्रेयांश सक्सेना, गंगा सेविका पूजा रस्तोगी, श्रेया सक्सेना, सोनल शर्मा, मंजू शुक्ला, शिखा रस्तोगी, वर्मा वर्मा, समृद्धि, भव्या, सरिता बाजपेई भावना तिवारी, सुषमा शर्मा, रूपा पाण्डेय, राकेश रस्तोगी, कुलदीप रस्तोगी, संध्या मिश्रा, पूजा रस्तोगी, आरती, आस्था, वाशु मिश्रा, चन्दा, उज्ज्वला शुक्ला, शोभा गुप्ता, रजनी अग्रवाल, शिवानी आदि उपस्थित रहे।

पटाखा फैक्ट्री में लगी आग, तेज धमाके से सहमें लोग

गोरखपुर, संवाददाता। पिपराइच इलाके के जंगल धूसड़ में सोमवार की सुबह नौ बजे पटाखा फैक्टरी में तेज धमाके के साथ भीषण आग लग गई। धमाका होते ही फैक्टरी की छत उड़ने के साथ दीवार गिर गई। पूरी फैक्टरी आग की लपटों में घिर गई। यहां काम करने वाला अन्य कारीगर व महिलाओं ने किसी तरह भागकर जान बचाई। वहीं फैक्टरी संचालक का बेटा, घटना का कारण समझने दूसरे कमरे की तरफ गया, जहां गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की सूचना मिलते ही पिपराइच पुलिस और फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस घटना की वजह जानने के लिए जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पिपराइच इलाके के हसनगंज निवासी अब्बास अली की घर से थोड़ी दूर जंगल धूसड़ में जमीन और मकान है। वह शहर के तिवारीपुर इलाके के इलाहीबाग निवासी अब्दुल्ला को किराए पर दिये है। अब्दुल्ला 16 वर्षो से बुढ़ऊ चाचा के नाम से पटाखा की फैक्टरी चलाते हैं। फैक्टरी की देखभाल उनका बेटा मेराज करता है। सोमवार की सुबह नौ बजे मेराज पहुंचा और कुछ महिलाओं के साथ टीन शेड के कमरे में पटाखा बनाना शुरू किया। इसी दौरान बगल में पटाखा रखे कमरे में विस्फोट होने लगा। मेराज पहुंचा और दरवाजा खोला तो आग की चपेट में आने से जख्मी हो गया। जबकि, काम कर रही महिलाएं और वहां से दूर भाग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया है। फायर ब्रिगेड की टीम लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पटाखा फैक्टरी में आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंचे एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आग कैसे लगी, इसके कारण का पता लगाया जा रहा है।16 साल से चल रही थी पटाखा फैक्ट्री

दरअसल, कोतवाली इलाके के बेनीगंज के रहने वाले स्व. जियाउल्लाह उर्फ बुढ़ऊ चाचा पटाखे वाले के बेटे अब्दुल्ला उर्फ टिंकू की पिपराइच इलाके के जंगल धूसड़ स्थित पटाखा फैक्ट्री है। यह फैक्टरी यहां करीब 16 साल से चल रही है। जबकि, तरंग क्रासिंग पर इनकी पटाखा की दुकान भी है। पुलिस के अनुसार दिसंबर 2023 तक पटाखा फैक्ट्री का रजिस्ट्रेशन का रिकार्ड थाने पर मिला है। वर्तमान स्थित का पता पुलिस लगाने में जुटी है।

तीन साल पहले भी लगी थी आग

आसपास के लोगों के मुताबिक, इसी फैक्ट्री में करीब तीन साल पहले भी आग लगी थी। दोपहर के वक्त मजदूर काम कर रहे थे। तभी वहां रखे बारूद की ढेर में आग लग गई। हालांकि, उस वक्त कोई घायल नहीं हुआ था और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था। बावजूद इसके फैक्ट्री में कर्मचारियों के लिए फायर सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। शायद यही वजह है कि एक बार फिर इस फैक्ट्री में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि अब तक इसमें तीन बार आग लगने की घटना हो चुकी है।

पटाखे की आवाज से सहमें आसपास के गांव वाले

जंगल धूसड़ में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से लोगों ने बताया कि दो घंटे तक लगातार पटाखे की आवाज लगभग तीन किलोमीटर दूर तक सुनाई देता रहा। जिससे आसपास के गांव वाले दहशत में आ गए। वही घटना की जानकारी होते ही पटाखा फैक्ट्री के पास हजारों लोगों की भीड़ जुट गई। पटाखे की आवाज से बगल में एक मकान की खिड़की का शीशा टूट गया। एसएसपी गौरव ग्रोवर ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाय लिया। पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस दिसंबर 2023 तक थाने पर मिला है। आगे की जानकारी के लिए प्रशासन से रिपोर्ट मांगा गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोकबंधु हास्पिटल में भोजन वितरण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लोक बंधु हॉस्पिटल में शिवाय वेलफेयर सोसाइटी की सचिव सुलक्षणा टंडन , कोषाध्यक्ष योगेश टंडन व पारुल टंडन के द्वारा स्वर्गीय श्री अनिल कुमार टंडन जी की चौथी पुण्यतिथि के श्रद्धांजलि समारोह के अवसर पर लोकबंधु हॉस्पिटल आशियाना में भोजन वितरण किया गया। अतिथि के रूप में डॉ अजय शंकर त्रिपाठी एमएस लोक बंधु हॉस्पिटल उपस्थित रहे।

रजत वोमेंस कालेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेण्ट ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत वोमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेण्ट, लखनऊ में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 मतदाता जागरूकता अभियान के तहत अपने मताधिकार का प्रयोग करने के संबंध में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। बच्चों एवं शिक्षकों ने घर–घर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया।आम जनमानस को 20 मई को मतदान केन्द्र पर मतदान करने की अपील किया। रैली का नेतृत्व वाइस चेयरमैन पुष्प लता सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षक –शिक्षिकाएं एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

एस आर ग्लोबल स्कूल, बक्शी का तालाब, लखनऊ में सीबीएसई टापर्स का हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस आर ग्लोबल स्कूल, बक्शी का तालाब, लखनऊ में आज सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024 की उद्घोषणा के उपरांत सभी प्रतिभावान छात्र – छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि दिनांक 13.5.2024 को सीबीएसई बोर्ड का परीक्षा परिणाम जारी हुआ था जिसमें एस आर ग्लोबल स्कूल के होनहारों ने शत प्रतिशत परीक्षाफल देकर जनपद में ही नहीं पूरे प्रदेश में अपना नाम रोशन किया है द्य बच्चों के सतत प्रयास व कड़ी मेहनत के फलस्वरूप प्राप्त हुई सफलता से एस आर ग्लोबल स्कूल स्वयं को गौरन्वित महसूस कर रहा है। आज के प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के आदरणीय चेयरमैन व माननीय सदस्य विधान परिषद श्री पवन सिंह चौहान जी रहे जिन्होंने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को अंगवस्त्रम (फटका) व माला पहनाकर स्वागत किया। माननीय सदस्य विधान परिषद श्री पवन सिंह चौहान जी द्वारा विद्यालय के कक्षा 10 के सभी 79 होनहारों व कक्षा 12 के सभी 31 प्रतिभावान छात्रदृछात्राओं जिन्होंने कक्षा 10 व 12 में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये उन्हें टैबलेट, ट्राली बैग, स्कूल बैग, स्मार्ट वाच, मिल्टन वाटर बाटल, अकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड की स्कूल ट्राफी देकर सम्मानित किया गया द्य अपने उद्बोधन में संस्थान के आदरणीय चेयरमैन सर ने बच्चों को सतत एवं निरन्तर प्रयत्न करने के लिए प्रेरित किया तथा अपने छात्र जीवन की उपलब्धि एवं प्रारम्भिक कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए निरन्तर प्रयास एवं लक्ष्य की एकाग्रता को सफलता का मंत्र बताया द्य प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अभिभावकों को मंच पर संस्थान के

चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान द्वारा सम्मानित किया गया द्य विद्यालय के कक्षा 10 के छात्र प्रथम श्रीवास्तव ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया द्य कक्षा 10 के अन्य 79 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में मनीष कुमार (96.6 प्रतिशत), दिव्यांशी सिंह (96.2 प्रतिशत), वनिशा राज (96.2 प्रतिशत), आशू खरवार (95.6 प्रतिशत), प्रतिभा मिश्रा (95.6 प्रतिशत), कशनी मिश्रा (95.4 प्रतिशत), करुनेंद्र प्रताप सिंह यादव (95 प्रतिशत), वनिशा मौर्या (95 प्रतिशत), यशी पाण्डेय (94.8 प्रतिशत), अभिवंत मौर्या (9.8 प्रतिशत), नैन्सी यादव (94.8 प्रतिशत), अलंकृता रस्तोगी (94.2 प्रतिशत) अभिराज पाण्डेय (94 प्रतिशत), परी शुक्ला (94 प्रतिशत) एवं शौर्य चौहान (94 प्रतिशत) सहित अन्य 62 मेधावियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपना मान बढाया है द्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की इसी श्रृंखला में कक्षा 12 की होनहार छात्रा श्रिया सिंह ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपना व अपने विद्यालय का नाम रोशन किया है द्य छात्रा श्रिया सिंह के अतिरिक्त कुशाग्र चन्द्र (95.6 प्रतिशत), आयूषी मौर्या (95.2 प्रतिशत), वैष्णवी अवस्थी (94.8 प्रतिशत), वैभव बंसल (94.4 प्रतिशत), अंशिका (94.4 प्रतिशत), शिवांश यादव (94.2 प्रतिशत), देविका भल्ला (94.2 प्रतिशत) अथर्व शर्मा (94.2 प्रतिशत), पुष्पेन्द्र कुमार (93.4 प्रतिशत), सौम्य अग्रवाल (93.4 प्रतिशत), प्रतिष्ठा शुक्ला (92.4 प्रतिशत), महिमा वर्मा (92.4 प्रतिशत), एवं अनामिका भारती (92 प्रतिशत) सहित अन्य 17 मेधावियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम की 2024 में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराया है। विद्यालय के डीन अकेडमिक दीपक सिंह ने अपने सभी प्यारे बच्चों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और अपने उद्बोधन में कहा कि " प्यारे बच्चों आप ही हमारी ताकत हो, आप ही हमारा मान– सम्मान हो और आप ही हमारा भविष्य हो द्य आप की कड़ी मेहनत ने जो कर दिखाया है निश्चित रूप से हमारा और हमारे शिक्षकों का व विद्यालय का नाम रोशन हुआ है। प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अभिभावकों का विद्यालय के प्रिंसिपल सी के ओझा व वाईस प्रिंसिपल शालिनी श्रीवास्तव द्वारा आभार व्यक्त किया गया और उनके पाल्यों द्वारा रचे गए कीर्तिमान के लिए उन्हें बधाई भी दी गई तथा सभी बच्चों को आशीर्वाद भी दिया गया। संस्थान की अधिशासी निदेशिका मोनिका तिवारी ने छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनायें दी।

बोर्डिंग स्टेशन बदलने वालों को कंफर्म टिकट के बावजूद नहीं मिल रही सीट, बढ़ीं दिक्कतें

वाराणसी, संवाददाता। जानकारी न होने से कंफर्म सीट के बावजूद रेल यात्रियों को वेटिंग मिल रही है। सुविधा होने के बावजूद बोर्डिंग स्टेशन न बदलवाने से उनकी सीट वेटिंग यात्रियों को आवंटित कर दी जा रही है। इसे लेकर जांच दल और यात्रियों में नोकझोंक होती है। अंत में उन्हें जनरल कोच में यात्रा करनी पड़ती है। ट्रेन में चेकिंग दल के टीटीई को रेलवे ने टेबलेटनुमा हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) दिया है। इस मशीन के जरिये टिकट चेकिंग स्टाफ खाली सीट की जानकारी रियल टाइम अपलोड कर देता है। ऐसा करने से चेकिंग दल वेटिंग यात्री को सीट आवंटित कर देता है। हालांकि ऐसा करने से पहले टिकट चेकिंग दल बोर्डिंग स्टेशन से दूसरे स्टेशन या फिर 20 मिनट तक इंतजार करता है। कैंट स्टेशन के जांच दल ने बताया कि बहुत से यात्री बोर्डिंग स्टेशन बदल देते हैं। इसकी जानकारी ऑनलाइन या ऑफलाइन रेलवे को नहीं देते हैं। जब कोच में सवार होते हैं तो उन्हें पता चलता है कि उनका बर्थ किसी और को दे दिया गया है। इसके बाद या तो यात्री जनरल कोच में यात्रा करते हैं या फिर पेनाल्टी भरते हैं।

केस–एक

दारानगर के रहने वाले कृष्णकांत तिवारी को श्रमजीवी एक्सप्रेस से लखनऊ जाना था। पीडीडीयूनगर से बोर्डिंग थी लेकिन उन्होंने ट्रेन कैंट स्टेशन से पकड़ी। इस बीच टीटीई ने ट्रेन कैंट स्टेशन पहुंचने से पहले ही सीट दूसरे यात्री को आवंटित कर दी। कृष्णकांत सीट पर पहुंचे तो दूसरा यात्री मिला। इसे लेकर काफी जिच हुई। आखिरकार कृष्णकांत को जनरल कोच में सफर करना पड़ा।

केस–दो

मिर्जापुर निवासी बृजेश चौरसिया को महानगरी से मुंबई जाना था। मिर्जापुर से टिकट नहीं मिला तो वाराणसी कैंट से बोर्डिंग कराई। मिर्जापुर में ट्रेन में पहुंचे तो सीट किसी अन्य यात्री को आवंटित हो चुकी थी। ट्रेन में सवार टीटीई ने कहा कि घंटे भर बाद तीन स्टेशन पार होकर ट्रेन मिर्जापुर पहुंचने के कारण बर्थ आवंटित कर दी गई। थक हार कर बृजेश को जनरल कोच में यात्रा करनी पड़ी।

बोले अधिकारी

आईआरसीटीसी ने यात्रा से 24 घंटे पहले बोर्डिंग स्टेशन बदलवाने की सुविधा दी है। ऑनलाइन टिकट लेने वाले यात्री आईआरसीटीसी के वेबसाइट पर जाकर बदलाव कर सकते हैं। जबकि काउंटर टिकट लेने वाले यात्री किसी भी आरक्षण केंद्र में जाकर बदलाव करा सकते हैं। बोर्डिंग स्टेशन न बदलवाने से दिक्कत आ रही है।

पूर्वांचल का पहला बस अड्डा बनेगा वाराणसी का कैंट, खड़ी होंगी बसें

वाराणसी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र का अंतरराज्यीय कैंट बस अड्डा अत्याधुनिक बनाया जाएगा। पूर्वांचल का ऐसा पहला बस अड्डा होगा, जहां एक साथ 1000 बसें खड़ी हो सकेंगी। बस अड्डे का विस्तार होना है। क्षेत्रीय कार्यशाला और काशी डिपो का कार्यशाला हरहुआ स्थित वाजिदपुर में शिफ्ट होने के बाद बस अड्डे का कायाकल्प होना है। लोकसभा चुनाव बाद कागजी प्रक्रिया पर मुहर लगेगी। मुख्यालय स्तर से हरी झंडी मिल चुकी है। कैंट रोडवेज बस स्टेशन से काठमांडो, नई दिल्ली, आगरा, कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर समेत पूर्वांचल भर में बस सेवाएं हैं। सिटी और रोडवेज की बसें कैंट स्टेशन से ही संचालित होती हैं। यहां से रोजाना 10 से 15 हजार यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराए जाने पर परिवहन निगम का जोर है। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के लिए वातानुकूलित लाउंज, सामान्य यात्री हाल, खानपान के स्टॉल, कैंटीन, अमानती घर, टिकट और पूछताछ केंद्र को भी अत्याधुनिक बनाया जाएगा। अब तक यह सुविधाएं नाकाफी साबित हो रही हैं। बस स्टेशन पर जगह की कमी के चलते कई बसें गेट के पास सड़क पर खड़ी होती हैं। कभी–कभी जाम की स्थिति बनती है।

राज्य स्तर पर चयनितों की आई0आई0टी0 नई दिल्ली में 28 व 29 मई 2024 को होगी दो दिवसीय कार्यशाला - डा0 दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।प्रधानमंत्री इंस्पायर अवार्ड मॉनक योजना 2022–23 की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी से चयनित बाल वैज्ञानिकों की आई आई टी नई दिल्ली में दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

उक्त के सम्बंध में मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ0महेंद्र देव ने प्रदेश के चयनित 6 बाल वैज्ञानिकों कार्यशाला में प्रतिभाग करवाने के लिए सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश जारी किया है

लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों में लखनऊ जनपद से चयनित रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल स्कूल, सी–ब्लॉक, इन्दिरा नगर लखनऊ की कक्षा 9 की छात्रा वैष्णवी तिवारी को उक्त कार्यशाला में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होगा,वैष्णवी के चयनित मॉडल का शीर्षक डेफ एंड डम्ब प्रोजेक्ट है, जिसमें मूक व बधिर रूप के दिव्यांगों को एक ग्लब्स के माध्यम से उनकी बातों को प्रोग्रामिंग कर लिखित भाषा के रूप में प्रदर्शित करने की डिवाइस बनाई गई है,जिसका कुल खर्च मात्र पांच सौ रुपये आया है,इस मॉडल को नेशनल स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनित किया गया है।

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि आई आई टी नई दिल्ली में दिए जाने वाले इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य आगामी ग्यारहवीं राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में चयनित बाल वैज्ञानिकों द्वारा अपने अपने नवाचारी मॉडल्स के प्रभावी प्रस्तुतिकरण के सम्बंध में मार्गदर्शन प्रदान करना है।

डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया आई आई टी नई दिल्ली में ये कार्यशाला 28 और 29 मई 2024 को आयोजित की जाएगी,जिसमें प्रतिभाग करने वाले चयनित छात्र छात्रा व उनके साथ एक सहयोगी के आने जाने का ए0सी0–3 टियर के रेल किराये,तथा उनके आवासीय एवं भोजन आदि की व्यवस्था राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एन0आई0एफ0) द्वारा किया जाएगा।

जे डी माध्यमिक डॉ0प्रदीप कुमार ने लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक को जनपद से चयनित छात्रा को ससमय प्रतिभाग करवाने के लिए निर्देशित किया है। आई आई टी नई दिल्ली के वर्कशॉप में प्रतिभाग करने वाले उत्तर प्रदेश के 6 चयनित छात्र छात्रा

दियांशु जैन

जनपद–आगरा

मॉडल का नाम –विद्यवता स्टूडेंट ऑनली डिवाइस फॉर हार्ड वर्किंग एसपिरेंट्स

स्कूल– दिल्ली पब्लिक स्कूल, आगरा

वंदना शर्मा

जनपद– बुलंदशहर

मॉडल का नाम –सेल्फ सस्टेनेबल इलेक्ट्रिसिटी फार्म एल्जे

स्कूल –बी०के० पब्लिक स्कूल, बुलंदशहर

अनय द्विवेदी

जनपद– गौतम बुद्ध नगर

मॉडल का नाम–फिक्स एंड ड्रॉप पैथहोल्स

स्कूल– दा मैंथन स्कूल ,गौतम बुद्ध नगर

आदित्य राज चोपड़ा जनपद–गाजियाबाद

मॉडल का नाम –वर्ल्ड फर्स्ट साइलेंट नान इलेक्ट्रिक नेबुलाइजर

स्कूल– दिल्ली पब्लिक स्कूल इंदिरापुरम ,गाजियाबाद

वैष्णवी तिवारी

जनपद –लखनऊ

मॉडल का नाम– डेफ एंड डंब प्रोजेक्ट

स्कूल –रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल स्कूल सेक्टर–सी ,इंदिरानगर , लखनऊ

अभिरूप वर्मा

जनपद –मिर्जापुर

मॉडल का नाम –सेमी ऑटोमेटिक मूविंग सीड सोइंग मशीन

स्कूल– सेंट मेयरस , मिर्जापुर

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

कुशीनगर, संवाददाता। सिसवा मार्ग स्थित रामपुर गोनहा गांव के पास ई–रिक्शा से टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। लोग उन्हें अस्पताल भेजवाने की तैयारी कर रहे थे, कि एक युवक की मौत हो गई। खड्डा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर पडरहवा गांव निवासी शैलेष भारती (18) व धीरज भारती (17) महराजगंज से रविवार की रात करीब दस बजे घर लौट रहे थे।

खड्डा क्षेत्र के रामपुर गोनहा गांव के मोड़ पर ई–रिक्शा से टक्कर हो गई। मौजूद लोग घायलों को अस्पताल भेजने की व्यवस्था कर ही रहे थे। उसी दौरान घटना स्थल पर ही शैलेश की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल धीरज को तुर्कहां सीएचसी भेजवाई और शैलेश के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गई।

फंदे पर लटका मिला किशोरी का शव

सोनभद्र, संवाददाता। सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र के डिबुलगंज में मंगलवार की सुबह किशोरी ने घर में छत की पाइप में डुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के समय घर में केवल पिता ही मौजूद थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। शाहजहां खान की पुत्री अनीशा (13) घर में अपने पिता के साथ अकेली थी। भाई ड्यूटी गया हुआ था। अन्य सदस्य रिश्तेदारी में गए हुए थे। सुबह घर और बाहर झाड़ू लगाने के बाद अपने कमरे में चली गई। सुबह भाई ड्यूटी से घर लौटा तो पिता से अनीशा के बारे में पूछा तो बताया कि वो अपने कमरे में है। कमरे में झांककर देखा तो अंदर छत से लगे पाइप के सहारे फंदे पर अनीशा का शव लटक रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर अनपरा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गई। कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा। पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। शाहजहां खान के दो लड़के और चार लड़कियां हैं। अनीशा सबसे छोटी लड़की है। अनीशा को छोड़ सभी की शादी हो चुकी है।

नेट 2024 में सफल अभ्यर्थियों का ही होगा पीएचडी में दाखिला

वाराणसी, संवाददाता। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पीएचडी 2024–25 पाठ्यक्रम में प्रवेश की नई गाइडलाइन के आधार पर प्रवेश लेने की योजना बनाई है। अपर परीक्षा नियंत्रण प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह के मुताविक विश्वविद्यालय ने पीएचडी 2024 पाठ्यक्रम में प्रवेश की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें एनटीए की ओर से बनाई गई नई व्यवस्था के अनुसार प्रवेश लेने का निर्णय लिया गया है। इस वार पीएचडी में प्रवेश केवल उन अभ्यर्थियों को दिया जाएगा, जो यूजीसी की ओर से जून में होने जा रहे नेट एग्जाम में सफल होंगे। पीएचडी एग्जेम्टेड में जेआरएफ क्वालिफाई अभ्यर्थियों को और रेट (आरईटी) में नेट एवं पीएचडी टेस्ट पास करने वाले छात्र–छात्राओं को ही प्रवेश के लिए मौका दिया जाएगा। बीएचयू इस वार अलग से विश्वविद्यालय के एंट्रेस टेस्ट रेट का आयोजन नहीं कराएगा। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान में पीएचडी में प्रवेश के लिए एग्रीकल्चर सर्विस रिक्रूटमेंट बोर्ड (एएसआरबी) का स्कोर देखा जाएगा। पीएचडी 2024–25 सत्र में प्रवेश के लिए नेट के पुराने स्कोर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पीएचडी में प्रवेश का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने अपने इस निर्णय को एक्स हैंडल पर भी साझा किया है।

जून–2024 में होने जा रहे नेट के परिणाम के आधार पर होगा। इससे पूर्व के नेट के रिजल्ट पर विचार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश के संबंध में यूजीसी

घर में घुसकर मारपीट और तोड़ फोड के मामले में चार पर केस

कुशीनगर, संवाददाता। तरयासुजान थाना क्षेत्र के दनियाड़ी निवासी रूबी खातून उर्फ शहनाज पत्नी अब्दुल्लाह खान ने तरयासुजान पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उनके पति रोजी–रोटी के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते हैं। उनके पटीदार नूर आजम खान से पुराने संपत्ति के बंटवारे का विवाद चल रहा है। रविवार की दोपहर नूर आजम खान अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए घर के दरवाजे पर लगी कुंडी को तोड़कर अंदर घुस गए और सामान तोड़फोड़ कर फेंकने लगे। उनके साथ उनका पुत्र रेहान खान, रियाज खान, पुत्री सुफिया खान विरोध करने पर मारपीट करने लगे। इस मारपीट में सिर में गंभीर चोट लग गई। इससे वह बेहोश होकर गिर गईं। गांव के लोगों ने इसकी सूचना उनके पति को दी। इस संबंध में तरयासुजान एसओ आशुतोष सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।